

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

श्री कृष्ण तुल्यगुणशायि चिदांबर ॥

॥ वागसादगिरि ॥ का

नृपकाल ॥

॥ यत्किं कुरुते कथितं यत्कुरुते कुरुते कुरुते

गिरिवत्तुल्यगुणशायि चिदांबर ॥ यत्किं कुरुते कुरुते कुरुते

यत्किं कुरुते कुरुते कुरुते कुरुते कुरुते कुरुते कुरुते

कालयितुं गन्धनाथसिद्धिस्तुतुल्यगुणशायि ॥

॥ यत्किं कुरुते कुरुते कुरुते कुरुते कुरुते कुरुते कुरुते

कालयितुं गन्धनाथसिद्धिस्तुतुल्यगुणशायि ॥

॥ यत्किं कुरुते कुरुते कुरुते कुरुते कुरुते कुरुते कुरुते

कालयितुं गन्धनाथसिद्धिस्तुतुल्यगुणशायि ॥

कालयितुं गन्धनाथसिद्धिस्तुतुल्यगुणशायि ॥

वाक्यलिङ्गालयि किदंकि रुद्रव श्रुत्य रुद्रकृत नयुषा द॥ ॥

सहस्रसुखिभ्यः गायत्रिके लोपा रुद्रव यवनयुषा द॥ ॥

॥ एहाम्नालिङ्ग ग रुद्रव नीलवर्णविलासयि शुभकवः

॥ ॥ धुकि सिन्धुवपुष्पादीभिः ॥ धनं लिख्यमाणा ॥ ॥

॥ न कुरु न न ना नो नो ह ॥ नो नो ह ॥ नो नो ह ॥ नो नो ह ॥ नो नो ह ॥

॥ नो नो ह ॥ नो नो ह ॥ नो नो ह ॥ नो नो ह ॥ नो नो ह ॥

॥ गङ्गा कि न उ र्ध्व द्वा था य यः

लिङ्गाः कमवंकु लिङ्ग म् क वा ल न ॥ द म र्क व कि क्क ल लिङ्ग

नः वा म र व द्वा ग क ण ल य ॥ ॥ श्री धि स म्प व म्प द य वा क्य लिङ्ग म

क म्प ल य ॥ ॥ ॥ मा व यि ल य पि या वि य मा याः सहस्र ॥ ॥

गङ्गा कि ॥ ॥

सावकासल्लिना॥ पाठावस्रमू१५ द्वादशाहा१०५ लिखाउ नललि
 लमा ला॥ ॥ विष्णु कलि षष्ठ्यवत्तु कनकः व्याघ्रवर्म
 षट्मूडा॥ आतिथयणा रय विद्यापयिष्य लः कालियाधिः
 दिनमूडा॥ ॥ नितंरु विजलादि कनकमयः यउ मूरवम

निविजलावः॥ यः कृतिविषयिष्य लनायक कृतिविषयः
 कविषयिष्य॥ कवुभा विगाया विषयिष्यवः पुकृतिष्यल
 संभावः॥ ॥ यागरु लवर्ध ॥ गालमूकमा ० ॥ ॥ दिउ
 रुदि मूरलः विनिनयनाः मकृदकभादिगाम्बया॥ ॥ कना

सव नय वि।॥ ५ ॥ स्तुतु कृतानि लून न द। वः सु न्य पा
 द द वि सु न्य। ॥ ५ ॥ काल मृदु द यि पा ण ल व न्दि नाः
 बा ग द्ध व सा रु क व नि न कृ दि ना ॥ ५ ॥ शृ ष्टि सं हा व णी ना
 वृ णि द विः सा क्क सा र्ग द वि तु क्त य वि स व। ॥ ५ ॥

॥ या ग म ५ ॥

॥ वासुदेव नमः ॥ का ल

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ साक्षात्कृतिविधं ध्यात्वा यः शुद्धमात्मा ॥ हं सर्वं वि

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कृष्णाय नमः ॥
 मा वसंताताः वागद्वयमाकृयन्दिनयाः ॥ त्रिहवनयायाश्च
 विना ॥ ॥ नमामि श्रीयन्महालासाकाकृष्णनिष्कदिना ॥
 विश्वनाथविश्वव्यापिकविद्विकर्ममहाकाधवायाः ॥ काकृष्ण
 निष्कदिना ॥ ॥ श्रीनिहिसभागाउग्रयवभाद्रपक्षकृत्तिकाविद्यु

